Song need not be sung if anyone takes objection to it, it should be immediately removed.

Government advertisement on Doordarshan

श्रीमती सुषमा स्वराज (हरियाणा): उपसभाध्यक्ष महोदया, इस विशेष उल्लेख के माध्यम से एक बहुत गम्भीर प्रश्न की ओर सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहती हूं। आज जब पूरे देश में समाचारतंत्र की स्वायत्ता देने की मांग बहुत जोर से उठ रही है उतनी ही जोर से हमारे दूरदर्शन पर सरकारी शिकंजा बढ़ता जा रहा है। अब तो दूरदर्शन इस तरह की सरकारी चाकरी करने लगा है कि ग्लानि का आभास होता है। आपको मालूम है सायं पांच, सवा पांच बजे हम में से कोई भी दूरदर्शन के कार्यक्रम देख नहीं पाता। लेकिन परसों अचानक मेरी बच्ची ने स्कूल से आकर टेलीविजन खोला, बच्चों का कार्यक्रम आ रहा था। कमरे से अंदर-बाहर आते-जाते मेरी नजर टी०वी० सीरियल पर पड़ी जिसमें नरसिंह राव जी की फोटो दीवार पर एक आदमी ने लगा रखी है और बहुत ही गदगद् होकर भाव-विभोर मुद्रा में उनको नमस्कार कर रहा है। मुझे लगा कोई कार्यक्रम होगा या कोई फिल्म आ रही होगी, में अंदर चली गई। दूसरे ही क्षण मुझे बाहर आना पड़ा तो मैंने देखा उसी तरह से नरसिंह राव जी का फोटो लगा हुआ है और एक व्यक्ति भक्त की मुद्रा में उनके सामने खड़ा हुआ प्रणाम कर रहा है। मैंने अपनी बच्ची से पूछा यह क्या आ रहा है कोई फिल्म है या कोई कार्यक्रम है? उसने कहा, मां, आपको पता नहीं है यह कांग्रेस के राजनेताओं को भगवान बनाकर कई दिनों से विज्ञापन दे रहे हैं। मैं तो पिछले तीन-चार दिनों से देख रही हूं। मैंने पूछा यह क्या विज्ञापन है? उसने मुझे लम्बी चौड़ी ऐड सुनाई। मां, आपको यह किसान का बेटा दिखाया है जिसका घर परिवार उजड़ गया था और बाप मर गया था। यह किसी शहर के अंदर आया। वहां नरसिंह राव जी की कृपा से लोन मिला। वह लोन लेकर अपने घर आ गया। आज इसको दिखाया गया कि यह अपनी बेटी का विवाह कर रहा है और दो सोने के कंगन अपनी बच्ची को पहना रहा है। इसलिए उनकी फोटो रखकर पूजा कर रहा है। उसने कहा, ऐसे कई ऐड आ रहे हैं। एक दिन उसने बताया कि कल परसों एक ऐड आया था जिसमें एक महिला झुग्गी झोंपड़ी में रहती थी। वह झुग्गी में रहते हुए शहर में आई। वहां नरसिंह राव जी की कृपा से उसको लोन मिल गया। आज वह कार में घूम रही है। वह नरसिंह राव जी की प्रतिमा को प्रणाम कर रही है। मुझे हैरानी होती है, सच मानिये वेदना और बहुत दुख होता है कि यह प्रजातांत्रिक देश का इलैक्ट्रोनिक मीडिया है या नरसिंह राव जी के भाट और चारणों की जमात है। यकीन करिये मुझे इमरजेंसी के समय की याद आ गई जिस समय आपातस्थिति के अंदर आकाशवाणी और दूरदर्शन केवल इन्दिरा गांधी जी के नाम से अपना कार्यक्रम प्रारम्भ करते थे और उन्हीं के नाम से समाप्त करते थे। आज हालात दूरदर्शन की यह है कि विरोधी दलों की ईमानदारना प्रतिक्रिया भी नहीं दी जाती। मैं स्वयं अपने को साक्षी करके बताती हूं कि आज से कुछ दिन पहले भुवनेश चतुर्वेदी जी के नेतृत्व में एक टीम श्रीनगर गई थी। एक कार्यक्रम वाले आये और हमसे कहा कि आप इस पर अपनी प्रतिक्रिया दीजिए जो टीम ने वहां कहा। मैंने जो सही समझा वह बोल दिया। अगले दिन उनका फोन आया कि मैडम, क्षमा करिये हमारी तो वह स्टोरी किल हो गई इसलिए आपकी प्रतिक्रिया नहीं आ पाई। मैंने पूछा स्टोरी किल हो गई या मेरा कामेंट किल हो गया? उन्होंने कहा कि पूरी स्टोरी किल हो गई। मैंने पूछा क्यों तो उन्होंने कहा जैसे आपने विरोध में प्रतिक्रिया दी थी, इसी तरह से जितने भी कामेंट्स आये थे सारे विरोध के थे। दूरदर्शन वालों की हालत आप जानती हैं। उन्होंने मेरी सारी स्टोरी किल कर दी। मैं आप से यह कहना चाहती हूं कि हम डेमोक्रेसी की दुहाई देते हैं। प्रजातंत्र की दुहाई देते हैं और आचरण राजतंत्र के तरीके से करते हैं। इसमें तो नरसिंह राव जी को कोई दयालु राजा के तौर पर भी नहीं दिखाया गया, बकायदा भगवान बनाकर कोई आंखों में आंसू लेकर खड़ा है, कोई हाथ जोड़ कर खड़ा है और कोई भक्ति कर रहा है। कार्यक्रम का नाम है—दिल की बातें कैसे भूलें। मैं चाहूंगी आप भी देखें। यह कार्यक्रम रोज आता है पांच, सवा पांच बजे। मेरी बच्ची बता रही थी कि शायद सुबह भी आता है। चुनावी राजनीति को सामने रखते हुए चुनाव प्रचार के लिए इलैक्ट्रोनिक मीडिया का इस्तेमाल एक पार्टी करे तो गलत है। इसमें अगर आपको प्रधान मंत्री की जमात दिखानी है तो प्रधान मंत्री बहुत से हुए हैं इस देश में। अगर आप अकेले कांग्रेस के प्रधान मंत्री दिखाना चाहते हैं तो पंडित जवाहरलाल नेहरू हुए, लालबहादुर शास्त्री हुए, उनकी तस्वीर दिखा सकते हैं। एक मैगजीन जरूर दिखाते हैं जिसमें पन्ने पलटते हुए इन्दिरा जी की तस्वीर और राजीव गांधी जी की तस्वीर दिखाई जाती है। इनकी तस्वीर तो मैगजीन में पन्ने पलटते हुए दिखाई जाती है और नरसिंह राव जी की दिवार पर टंगी हुई तस्वीर दिखाई जाती है। मैं आप से

[श्रीमती सुषमा स्वराज]

कहना चाहूंगी कि इस तरह की बातों की भर्त्सना पूरे सदन को करनी चाहिए। अब वह समय आ गया है जब इस तरह के निर्देश देने चाहिए कि दूरदर्शन इस तरह का व्यवहार सारणी आचरण बंद करे वरना इस देश के प्रजातंत्र पर एक सवालिया निशान लग जायेगा। बहुत-बहुत धन्यवाद।

शहरी कार्य और रोजगार मंत्रालय में राज्यमंत्री (श्री पी०के० थुंगन): आप भी अगर अच्छा काम करेंगी तो आपको भी दिखायेंगे।

श्रीमती सुषमा स्वराज: अगर सच होता तो मैं रीयअली मान लेती कि बिल्कुल दिखाना चाहिए। आप अपनी आत्मा पर हाथ रख कर बताईये कि झुग्गी-झोंपड़ी वालों का स्तर क्या एक कार तक पहुंचा दिया है?

Abduction and Sale of Women in Chhattisgarh

श्री गोविन्दराम मिरी (मध्य प्रदेश): उपसभाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान इस देश के हृदय स्थल मध्य प्रदेश में कानून और व्यवस्था की जो स्थिति बिगड़ रही है और जहां कांग्रेस की सरकार है की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। एक ओर जहां भारत सरकार की नाक के नीचे एक महिला का शव तंदूर में जलाया जाता है, वहीं दूसरी ओर मध्य प्रदेश के पूर्वांचल में महिलाओं और बच्चों का अपहरण करके उनको अनैतिक कामों के लिए बम्बई में बेचे जाने की जानकारी मिली है। इस आशय का समाचार 21 जुलाई के नयी दिल्ली से प्रकाशित नवभारत टाइम्स में प्रकाशित हुआ है। इसके मुताबिक मध्य प्रदेश के छत्तीसगढ़ अंचल से नौ महिलाओं का अपहरण कर उन्हें बंबई के चकलाघरों में बेचे जाने का पता चला है। इसमें महिलाओं की जो कीमत लगती है वह इस प्रकार है। जो महिला बिना बच्चे की है उसकी कीमत 10 हजार रुपये तक मिल जाती है और अगर एक बच्चे की मां है तो उसके 3 से 5 हजार रुपये तक में बेचा जाता है और उसके जो बच्चे होते हैं उनको भी बेच दिया जाता है। अगर लड़की हुए तो उसके दाम ज्यादा मिलते हैं। ये लोग रेलों में यात्री के रूप में यात्रा करते हैं और महिलाओं को नशीला पदार्थ खिलाकर बेहोश करते हैं और फिर उन्हें बम्बई ले जाकर चकलाघरों में बेच देते हैं। एक महिला किसी तरह से उनके चंगुल से निकल कर भागी और उसने बताया कि दुर्ग रेलवे स्टेशन पर चाय पिलाकर बेहोश कर बंबई में उसे 3200 रुपये में बेचा गया था। वहां से किसी तरह वह भागकर आयी और पुलिस में रिपोर्ट की। पता चला है कि छत्तीसगढ़ के दुर्ग, राजनांदगांव, रायपुर बिलासपुर आदि जगहों से इन लोगों ने नौ महिलाओं का अपहरण कर उन्हें बंबई के चकलाघरों में बेचा है। इनमें अभी तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एक महिला है जिसका नाम आशा है और दो अन्य अभियुक्त अनवर और उत्तमदास है। महोदया, इसमें और बड़ी गिरफ्तारियां होने की संभावना है। यह देखा गया है कि जो इन धंधों में लिप्त होते हैं वे बिना बड़े लोगों की मदद से ऐसा नहीं कर सकते। लेकिन छोटे अपराधी तो गिरफ्तार हो जाते हैं और बड़े लोगों को छोड़ दिया जाता है, जैसा यहां तंदूर कांड में हुआ है। कुछ छोटे लोगों को गिरफ्तार किया गया है लेकिन जो बड़े बड़े लोग इसमें हैं उनको छोड़ दिया गया है।

रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री राम लखन सिंह यादव): मैं यह अर्ज करना चाहता हूं कि यह बिक्री का केंद्र बंबई है ना?

श्री गोविन्दराम मिरी: बम्बई है।

श्री राम लखन सिंह यादव: वहां की सरकार क्या कर रही है। इसको रोकने के लिए उसने क्या किया?

श्री गोविन्द राम मिरी: आप अभी कांग्रेस में नये नये आए हैं। कांग्रेस कल्चर में आप पूरी तरह शामिल नहीं हो पाए हैं।

श्री राम लखन सिंह यादव: कांग्रेस की बात मत कीजिए। मैं जन्म से ही कांग्रेस में रहा हूं।

श्री गोविन्दराम मिरी: यह मध्य प्रदेश में हो रहा है, जहां आपकी सरकार है, जहां कांग्रेस की सरकार है, वहां की मैं बात कह रहा हूं।

श्री राम लखन सिंह यादव: लेकिन बंबई में बेच रहे है आपने कहा है।

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे (गुजरात): यह सब मध्य प्रदेश में हुआ है, जहां आपकी सरकार है।

श्री गोविन्दराम मिरी: मैं यह जानना चाहता हूं और हमारे यहां कहा जाता है कि "यत्र नारयस्तु पूज्यन्ते तत्र रमंते देवता", वहां यह स्थिति हो गई है। यहां महिलायें सुरक्षित नहीं है और न बच्चे सुरक्षित हैं। कानून और व्यवस्था की स्थिति बिगड़ी हुई है। हम यहां पर बड़े बड़े दम भरते हैं कि हम ऐसा नहीं होने देंगे, हम वैसा नहीं होने देंगे। लेकिन आये दिन इस तरह की घटनायें हो रही हैं। मैं सदन के माध्यम से केंद्रीय सरकार से अनुरोध करता हूं कि वह इस मामले की पूरी जांच कराये और